

विपूचीना व्यस्यतात् ॥७॥ समिदसि समिदो मेऽग्ने दीदिहि ॥ समि-
द्धा तेऽग्ने दीद्यासम् ॥८॥ १६॥

III. ॥ ११ ॥ १॥ १२ ॥ २॥ १३ [- दाताराऽऽषाढ -] ॥३॥ १४ ॥ ४॥ १५ ॥ ५॥
१६ ॥ ६॥ १७ a. b. c ॥ ७॥ १७ d. १८ a - धीमहि ॥८॥ १८ a वयस्व-
तो - - अदाभ्यम् ॥९॥ १८ b. १९ - स्तुतेन ॥१०॥ १९ सं प्रियेण - -
मिषीय । २० - - महो वो भक्षीय ॥११॥ २० ऊर्ज स्यो - - ष वो
भक्षीय । रेवती रमधमस्मिन्योनाऽस्मिन्गोष्ठेऽस्मिन्द्वयेऽस्मिंस्तोके
॥१२॥ इहैव स्तितो मापगात । २२ a ॥ १३॥ २२ b ॥ १४॥ २३ ॥ १५॥
२४ ॥ १६॥ २५ ॥ १७॥ २६ ॥ १८॥ इत्येव दित्वाऽहं । मयि वः का-
मधरणं भूयात् ॥१९॥ २८ ॥ २०॥ २९ ॥ २१॥ ३० ॥ २२॥ ३१ ॥ २३॥
३२ ॥ २४॥ ३३ ॥ २५॥ ३४ ॥ २६॥ ३५ ॥ २७॥ ३६ [- दूलभो रयोऽस्मां
ऽग्नेऽग्नौ] । समिदो मा समर्थय प्रजया च धनेन च ॥२८॥ ४४॥

IV. ॥ ३७ a [जाः प्रजया भूयासः सु] ॥१॥ ३७ b. c. ३८ - वित्तमम् ॥२॥
३८ अग्ने सम्रात्सुभि - - स्व । ३९ - त्यः प्रजावान्वसुवित्तमः ॥३॥ ३९
अग्ने - - स्व । ४१ - एमसि ॥४॥ ४१ ऊर्ज - मानः । ४२ - वहुः ॥५॥
४२ गृहानु - नतः । ४३ - जावयः ॥६॥ ४३ अयो - शम्योः ॥७॥ ५१॥

V. ॥ ४४ ॥ १॥ ४५ ॥ २॥ ४६ [- मील्लुषो -] ॥३॥ ४७ ॥ ४॥ ४८ ॥ ५॥ ५६॥

VI. ॥ ४९ ॥ १॥ ५० [- दधौ । निहारं निहरामि ते निहारं निहरासि मे
स्वाहा] ॥२॥ ५८॥

VII. ॥ ५१ ॥ १॥ ५२ ॥ २॥ ५३ [- न्वाहुवामहे -] ॥३॥ ५४ ॥ ४॥ ५५ ॥ ५॥
५६ ॥ ६॥ ६४॥

VIII. ॥ ५७ ॥ १॥ ५८ ॥ २॥ ५९ [- सुगं मेपाय -] ॥३॥ ६० a ॥ ४॥ ६० b